

P2I Rankers' Judiciary Batch

Success Evaluation
Weekly and Monthly

Clear Judiciary

100% Fees Refund

Win 5K Reward Monthly

Success | Weekly and EVALUATION | Monthly









About Batch

In this exclusive batch course, Arjita Chaturvedi, Praveen Kumar, Apurva Sharma, Apoorva Purohit, Pawan, Abhinav Goswami, Amanpreet and Nisha Lamba will help you prepare for the Judiciary Exams. Learners will benefit from over 1500+ live sessions, offering exhaustive coverage of all topics, including periodic doubt-clearing sessions for each subject to ensure exam readiness.

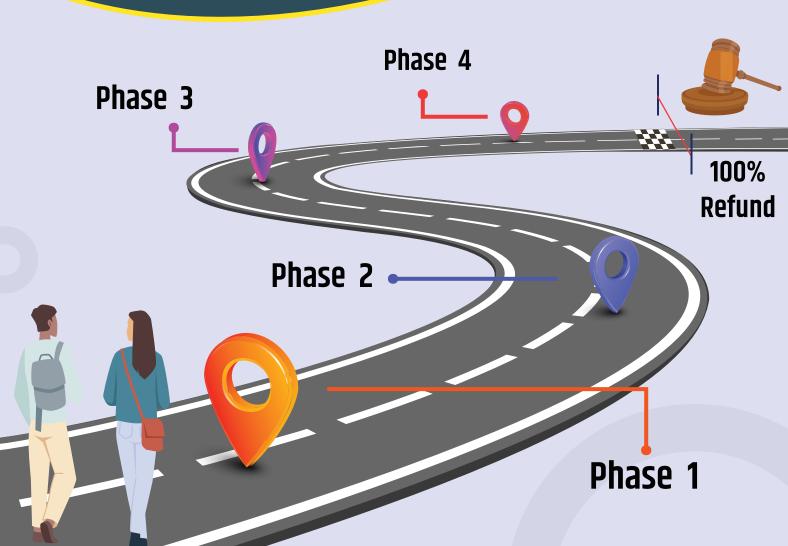
Courses will be covered in Hinglish, with notes provided in both English and Hindi, making this batch a comprehensive solution for clear concept understanding and thorough preparation.

Neev Foundation Batch is a one-stop solution for all aspirants, offering a 100% success assurance. If you do not clear the exam, you will be given a 1-year free extension for your preparation.



Your Journey With Us





Foundation Phase Prelims Success Phase **Evaluation** SUCCESS Mains **Interview** Phase **Phase** 1.Clear Judiciary in 24 months and get 100% Refund 2.Success Evaluation Program: weekly and monthly mocks Every month 2 mock test in 15 days and in 30 days 3.Get a chance to win 5k reward monthly: we will be publishing results of mock 4.Topper will get chance to win 5k on bases of monthly mock 5. Attendance Requirement: 70% to 80% attendance in classes is required.

Syllabus

IPC(BNS)

Evidence Act(BSA)

Cr.PC(BNSS)

CPC

Contract Act

Constitution

Hindu Law

General Studies

Muslim Law

TPA

Jurisprudence & Law of Torts

SRA & Registration Act

Limitation Act

Negotiable Instruments Act

Interpretation Of Statutes + Arbitration

+

English + Hindi Language

+

Local Laws (15 States)

*This is not schedule of the batch, this is the subject list

Key Features



1500+ Hours Of Live Sessions

Mains Specific Notes





One to one Mentorship

Success Evaluation





5k reward

Get 100% Refund*



Features:

ONE TO ONE MENTORSHIP

Clearing doubts of students throughout the journey from Prelims to Interview. 02

DAILY MCQ PRACTICE

10-20 Objective questions (Hindi & English) from the topics covered in Daily classes.

04

CURRENT AFFAIRS

- Weekly Live classes.
- Monthly Current Affairs Magazine

06

GET 100 % REFUND *

08

01

LIVE CLASSES

- -1100+ Hours of live classes
- Live doubt solving

03

LECTURE NOTES

- -Hand Written Notes: Hindi & English
- -Crux: Hindi & English

Mains Questions, Model Answers and their Evaluation are provided weekly

for students.

07

SUCCESS EVALUATION

09

CHANCE TO WIN 5K REWARD



Our Faculties



Praveen Kumar

- LLB from CLC, Delhi University.
- Former Judge (DJS) and HCS Officer.



Arjita Chaturvedi

- LLB from Symbiosis Law School , Pune.
- Former Advocate in Bombay High Court.
 7 years of teaching experience.



Apurva Sharma

LLB (Hons.) from Aligarh Muslim University. Former Advocate in Delhi High Court. 5 years of teaching experience.



Abhinav Goswami

- LLB from CLC, Delhi University.
- LLM with Distinction from King's College, London.
- Ph.D in Law , Faculty of Law (CLC, DU)



Pawan

- Former Bihar APO (RANK-22)
- B.A.LL.B)
- Qualified UGC-NET (Law)



Apoorva Purohit

- BA LL.B
- LL.M
- Teaching Experience:6+yrs



Nisha Lamba

- LLB from Law Centre-2.
- Experience as Faculty of Law, Delhi University.

Group Mentors

Group mentorship is designed to help the students to calibrate their personality and be ready to face the interview boards. Personal experience of officers and retired Judges will help the aspirants in aligning their mindset to the nature and ethos of Judical service.



Mr. Praveen Kumar

Former Judge,
DJS Cleared DJS in 2019
Secured Rank 8

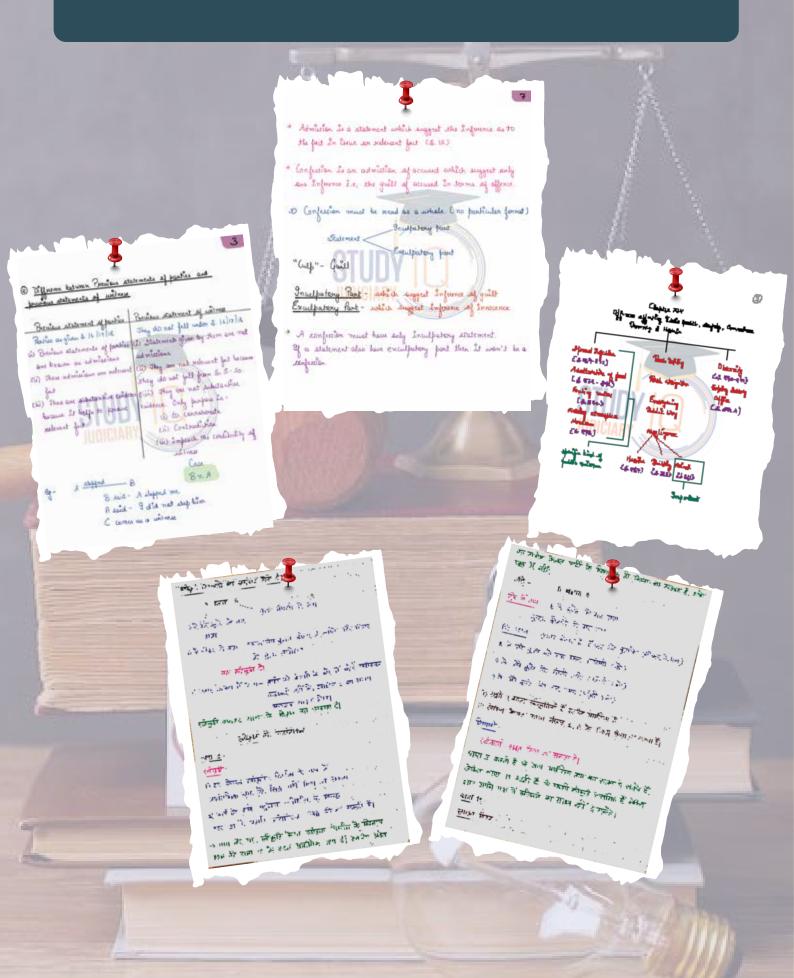
He will be interacting with our students of Judiciary Live Foundation Batch.

He has successfully guided Various toppers during the last few years.

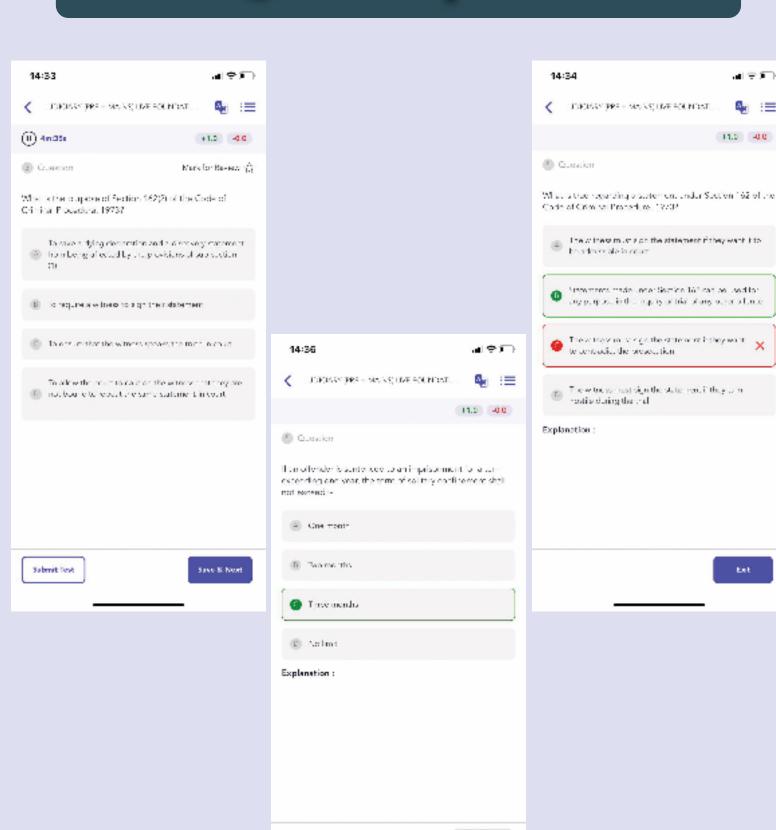


Jasmeet Singh

Handwritten Notes



MCQs for practice



Crux

Section 277 IPC

If a person valuntarily fouls the water of any public spring or reservoir, he shall be grunished under this section.

- 2. The water must be of public spring or reservoir; and
- B. The water must be rendered less fit for the purpose for which it is cellinary

Section 278 IPC

- . Section 278 deals with the efferce of making the atmosphere revious to
- health by voluntarily viltating or spoking it in any place.

 The place can be public or private, but it must affect the health of persons in general who dwell, work or pass by in the workly.
- . The act of villating the atmosphere must be done intentionally and not by
- accident or negligence.
- . This section is intended to protect the public health, safety and opmensesce from environmental pollution and nuisance.

Section 279 IPC

to negligence, undoubtedly there is no intention or desire for a particular equence. The event happens without any premeditation on the part of the doet. There is invertably an overheaty act done without due deliberation and

Section 273 IPC

is not an offence under this section. The adultimation should be of such a nature or to make the food or drink acatous. Further, it should also be established that that or somebody else. What is made purchable under this section is sale of noxious indicious as food means unwholecommisms as a food or injustices to feelink it does not mean repugnant to one's feelings. Therefore, missing of food mixing of pigs for with gives and willing the mixture does not residen the article as incidents as food

Section 274 IPC

to preserve the purity of drugs for medicinal purposes. It is sufficient if the efficiency of the drug is incurred. The offence is purishable with an imports of imprison

adulterated drugs. According to this section,

- dispensary for medicinal purposes.
- It shall be purished with improvement for a term which may extend to six months





- भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023- पारा 136 संपंडित पारा 119 रण्टांत (६) (सह अपरापी)
- भारतीय साश्य अधिनियम,1872 पारा 133 संगतित पारा 114 हण्टांत (६) (सह अगरापी)

सह अपराधी वह स्वनित होता है जो अपराध करने में अभियुक्त को कहमाँग देता है।तह अपराधी शब्द की परिभाषा जान्य अधिनियम में नहीं दी गई है, हालांक इतसे संबंधित पाकधान भारतीय सक्य अधिनियम 2023 दिया गया है।

वह व्यक्ति जो अपराध में गुन्तपार या जानून की हेतियत से अपराध का पत लगाने के तिर अपराध में शामिल होता है,सह अपराधी नहीं कहा जा सकता क्योंकि ऐसे व्यक्ति का अलाय अपराधिक नहीं रहता वह केवल अपराध का पता सनामें के तिर उसामें शामिल होता है।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 - धारा 133 सपटित धारा 114 हण्टांत (६) (सह अपराधी)

- ⇒ घाउ 139 में अंतर्गत वो निवासे का उल्लेख किया नथा है -(a) कियो अभियुक्त के विवाद्य उत्तका कर अस्यायी कतान नवाह होगा (b) कोई वीपीडियूपि केवल इस अध्याय पर अर्थिय नहीं हो जती है कि वह कियों जह अपयाधी में अपने अपूर्ण राजाही के आधार पर की गई है -च्या 134 में अनुकार कियों तथ्य की साबित करने के लिए गावाहों की कियों निर्मित संख्या का होना आक्षयक नहीं है -

अतः किन्ही परिक्रियतियाँ से एक कासी भी पर्याप्त हो सकता है और उसके बयान के आधार का श्रीची ठहराया जा सकता है और ऐसा स्ववित सह अपराधी भी हो सकता है।

संपृष्टिः सह अपराध्ये के साक्ष्य को न्यायालय संदेह की दृष्टि से देखता है क्योंकि यह बात सब्ब है कि कोई चहुने से करांकित साक्ष्य किसी अन्य करांकित साक्ष्य की संपृष्टि नहीं कर सकता।



- अहारतिय सक्का अधिनियम, 2023

 → मह अध्यापी विश्वस्तीयता के अधीरय होता है जब तक की लांदिक विशिष्ट ये द्वारा उसकी कर्युष्ट नहीं हो जाती।

 → विशिष्ट अध्यापी में सह अध्यापी पून देने या रोने वाल स्वनित सह अध्यापी की लेगी में आते हैं। यदि रोक पूर उपयापी की लेगी में आते हैं। यदि रोक पूर उपयापी की लेगी में नहीं अपना का सकत ।

 → जावूस, गुण्याप यह अध्यापी की लेगी में नहीं आते क्योंकि यह सेक दिन में मार्थ अस्ति हैं।

 → स्वाप्त गुण्याप यह अध्यापी की लेगी में नहीं आते क्योंकि यह सेक दिन में मार्थ अपनी हैं।

 → स्वाप्त में अपनी में अभियोजिका यह अपपापी की लेगी में नहीं आते विज्ञ यदि उसका स्वाप्त कर अध्यापी के साव्य के का में मोकार किया जा करना हैं।

 → स्वाप्त मार्थ में स्वाप्ति हों के वह स्वाप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त में से हमका सावय कर अध्यापी के साव्य के का में मोकार किया जा करना हैं।

 → स्वाप्त मार्थ में स्वाप्त हों के से स्वप्त का अपपापी नावाह देने समय घठा 333 के आधीन सावी नहीं होता बनिक इतका सावय प्राप्त 36 में स्वप्त किया जा सकता है और यह सह अपपापी साव प्राप्त हैं।
- नहीं हाल बांग्य द्वाराय काया थाएं 30 के अंतरानं र स्वाया प्रांचा का सकता है साम का यह की साम कर है। हिए जाता है तो उपल कथान थाएं 151 में सहय किया का समाह है और यह सह अपराप्त अपन अपना थां 151 में सहय किया का समाह है और यह सह अपराप्त अपने अपना यह होता है जो अपाप में साय विवाद होता है विक्रित तकतारों के यह स्वाया के पहर व्यवस्था के साम अपना यापत नहीं है जाता और जब हम्म अंतराह की पारा 300 और 300 के अंतरां जा के अगाय पापत नहीं है जाता और जब हम्म अंतराह की पारा 300 और 300 के अंतरां जा के अगाय हो तो हम ते पापत कर हम अंतराह की साम कार्य हों हो जाता के बात कर हम अगाय कार्य हों हो जाता के बात कर हम अगाय कार्य हों हो जाता कि साम कार्य हों हो कार्य हम का अगाय कार्य के अगाय पापत हो के अगाय हो हो जाता कि वात कर अगाय कार्य के अगाय पापत हो हो जाता कि वात हो अपने कर कार्य अगाय के अगाय पापत हो है जाता है हो जाता है हो जाता है जाता है कार्य कर अगाय है के अगाय पापत है हो जाता है हो जाता है हो जाता है है जाता है के अगाय है कार्य है जाता है है जाता है है जाता है जाता है के अगाय है जाता है के अगाय है जाता है है जाता है जाता है है जाता है के अगाय है जाता है है जाता है के अगाय है जाता है जाता है जाता है जाता है है जाता है है जाता है जाता है जाता है है जाता है है जाता है जाता है जाता है है जाता है जाता है है जाता है है जाता है जाता है जाता है है जाता है है जाता है है जाता है जात

For All Aspirants

To get help from our experts

- Free Counselling Session
- Free Mentorship Program
- Free Career Guidance

Reach out on the given number:



